तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 24 .8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 27 जुलाई, 2025

12 सीईटी परीक्षा के पहले दो चरणों में 5940 ने दी परीक्षा

12 युवाओं में बढ़ रही है आक्रामकता : डा. अनुपमा

खबर संक्षेप

हादसे में बाइक सवार की मौत, दोस्त घायल

इसराना। रोहतक-पानीपत हाईवे पर अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार गांव नौल्था निवासी 18 वर्षीय रवि की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त सुरजीत घायल हो गया। दोनों प्राइवेट फैक्ट्री में काम करते थे। दोनों गांव सिवाह स्थित अपने गांव सिवाह निवासी दोस्त से मिलने के लिए घर से बाइक पर निकले थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रवि का शव उसके परिजनों को सौंप दिया।

हमला करने के आरोपी पिता व दो पुत्र गिरफ्तार

पानीपत। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने इंद्रा कॉलोनी में मां स्वर्णजीत कौर, पुत्र गगनदीप व भतीजे मनदीप पर लाठी, डंडों व रॉड से हमला करने मामले में तीन आरोपियों इंद्रा कॉलोनी निवासी रमेश व इसके बेटे आरोपी पुत्र सावन व सागर को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर देवेंद्र ने बताया कि तीनों आरोपियों ने उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। वहीं इस मामले में फरार आरोपियों शिमला व शीतल को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, इस मामले में विवर्ज कॉलोनी निवासी स्वर्णजीत कौर पत्नी सुरेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

गांजा तस्करी का सप्लायर गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने 636 ग्राम गांजा तस्करी मामले में आरोपी सप्लायर गंगापुरी रोड वाल्मीकि बस्ती निवासी सूरज को गिरफ्तार किया है। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि पूछताछ में आरोपी नशा सप्लायर सूरज ने नशा तस्कर आरोपी भारत को 636 ग्राम गांजा कमीशन पर बेचने के लिए देने बारे स्वीकारा। वहीं, इस मामले में थाना चांदनी बाग में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्कर पकड़े

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने हुडा सेक्टर 24 उझा मोड़ पर दो नशा तस्करों सुमित पुत्र जगदीश निवासी वाल्मीकि बस्ती व प्रदीप पुत्र गणेश निवासी जीवनधारा चंपारण बिहार हाल आठ मरला को 11 किलो 960 ग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि आरोपी प्रदीप ने बताया वह बरामद गांजा दो दिन पहले बिहार के पटना से खरीद कर लाया था। आरोपी सुमित दिल्ली में एक अज्ञात युवक से खरीदकर लाया था। आरोपी प्रदीप को उसके सहयोगियों को पकड़ने के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया है।

सीटू तीन को शिक्षामंत्री आवास का घेराव करेगी

पानीपत। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी की बैठक गीता कॉलोनी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान सुनील दत्त ने की और संचालन जिला सचिव जय भगवान ने किया। बैठक को सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव शिवकुमार अहलावत और अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉ. सुरेंद्र मलिक ने भी संबोधित किया। बैठक में मिड डे मील वर्कर्स यूनियन, तीन अगस्त को शिक्षा मंत्री के पानीपत आवास पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी को लेकर चर्चा हुई।

लिपिक की बहाली को लेकर आंदोलन तेज

अंबाला। लिपिक के निलंबन के बाद अन्य कर्मचारियों को नोटिस देने से नाराज बिजली कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। पदाधिकारियों का कहना कि अब वो दो नहीं तीन घंटे के लिए प्रदर्शन करेंगे। अंबाला कैंट यूनिट के अंतर्गत सभी सब यूनिटों में लिपिक के निलंबन के विरोध में 13वें दिन भी दो घंटे का रोष प्रदर्शन जारी रहा। यूनिट प्रधान सतबीर देसवाल ने कहा कि गुरविंदर लिपिक को बहाल नहीं किया गया है। जबकि 4/5 अन्य कर्मचारियों शोकाज नोटिस और चार्जशीट कर दिया गया है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने शहर में तीर्थों के दर्शन के लिए बस सेवा को दी हरी झंडी

देश-विदेश से कुरुक्षेत्र आने वाले पर्यटकों को विशेष बस से कराएंगे तीर्थ स्थलों के दर्शन

हरिभूमि न्यूज. कुरुक्षेत्र

पानीपत। तीर्थों के दर्शन के लिए बस सेवा को हरी झंडी देते पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा। फोटो : हरिभूमि

भ्रमण हेतु हरी झंडी देकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा कई वर्ष पहले शुरू किया गया था।

अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा को तीर्थों के हिसाब से अलग-अलग फेस में शुरू किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि थानेसर शहर के तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए केडीबी द्वारा जो बस सेवा शुरू की है वह सराहनीय कदम है। इससे कुरुक्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और तीर्थों के आस-पास लोगों को आर्थिक रूप से भी मजबूती मिलेगी। इन प्रयासों के सफल होने के बाद केडीबी द्वारा एक या दो बसों की शैटल सेवा भी शुरू की जाएगी। यह बस सुबह 8:30 बजे से लेकर सांय 4:30 बजे तक चलेगी और थानेसर शहर के पवित्र तीर्थों के दर्शन करवाएगी। केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा को अलग-अलग फेस में शुरू किया जा रहा है। इस 48 कोस के सभी तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए विशेष बस शुरू की जा रही है। केडीबी का प्रयास है कि पर्यटकों को प्रत्येक तीर्थ के दर्शन करवाए जाए और पर्यटक अपने समय अनुसार दर्शन करे इसलिए तीर्थों के दर्शन करवाने के लिए अलग-अलग चरण भी तय किए गए है। केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र दर्शन बस सेवा के तहत अब चिटटा मंदिर ब्रह्मसरोवर, गीता ज्ञानम संस्थान, छठी पातशाही, इस्कॉन मंदिर, ज्योतिसर तीर्थ, नरकातारी सहित ब्रह्मसरोवर व सन्निहित सरोवर जैसे तीर्थ स्थलों का भ्रमण करवाया जाएगा। इन स्थानीय तीर्थों के दर्शन करवाने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। इन तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए गाइड की व्यवस्था भी की जाएगी।

- तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाने के लिए गाइड की व्यवस्था भी की जाएगी।

ड्रॉ के आधार पर मिलेगी 50 कार्ट

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अब ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहड़ी और फहडी नजर नहीं आएगी। इन लोगों को अब कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की तरफ से 50 कार्ट उपलब्ध करवाई जाएगी। यह कार्ट सोविनियर और खाने-पीने के सामान के लिए दी जाएंगी। यह कार्ट ड्रॉ के माध्यम से केडीबी द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड मानद सचिव कार्यालय में ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहडी व फहड़ी लगाने वाले लोगों तथा केडीबी के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक को सम्बोधित किया। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री ने ब्रह्मसरोवर के आस-पास रेहड़ी व फहड़ी लगाने वाले लगभग 150 लोगों से बातचीत की और उन्हें केडीबी की तरफ से उपलब्ध करवाए जाने वाले कार्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बैठक में फहड़ी और रेहड़ी लगाने वालों ने अपनी सहमति व्यक्त की है। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि केडीबी को पावर ग्रिड की तरफ से सीएसआर स्कीम के तहत 50 कार्ट उपलब्ध करवाई गई थी। अब इन कार्ट को ड्रॉ के माध्यम से अलॉट कर दिया जाएगा। इसके लिए केडीबी ने आवेदन आमंत्रित कर लिए है और संभावना है कि आगामी 7 दिनों में यह कार्ट रेहड़ी चालकों को उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्ट केडीबी कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र में ही लगाए जाएंगे। इसके साथ ही फड़ी लगाने वालों को भी केडीबी कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र को चिन्हित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे ब्रह्मसरोवर के सौंदर्यीकरण को

बढ़ावा मिलेगा, स्वच्छता बनी रहेगी और कार्ट व फड़ी वालों की आय में भी इजाफा होगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने केडीबी की तरफ से नंदा स्मारक परिसर में बनाए गए पर्यटक सूचना केन्द्र का भी अवलोकन किया। यहां पर सभी कक्षों का निरीक्षण कर प्रशिक्षित किए गए गाईड से भी बातचीत की। इस मौके पर केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया, केडीबी सदस्य अशोक रोशा, डा. ऋषिपाल मथाना, डा. एमके मोदगिल, प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी, केडीबी सदस्य विजय नरूला, पंडित अनिल गौतम, एडवोकेट जसबीर सिंह, सैल्फ हैल्प ग्रुप से ममता सहित आदि उपस्थित थे।

चार दोस्तों को दर्जनभर लोगों ने मारपीट कर किया घायल

- पुलिस ने मामले में दर्जन भर लोगों के खिलाफ किया मारपीट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के तीर्थ नगर में रंजिश को लेकर हुई मारपीट में पुलिस ने दर्जन भर लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मारपीट में चार दोस्त घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार तीर्थ नगर निवासी वंश ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही कपिल राणा व आशु के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उसके बाद से आरोपी उसे रंजिश रखने लगे। वंश ने बताया कि 24 जुलाई को रात आठ बजे वह अपने तीन दोस्तों के साथ कॉलोनी में ही किसी काम से जा रहा था। इस दौरान आरोपी कपिल राणा व आंसू ने अपने साथियों अंकित, विशाल, मोनू, नितिन, अजय, कार्तिक, सूरज, शाहरुख, प्रिंस व विवेक उर्फ बिल्ला के साथ मिलकर उनको रास्ते में रोक लिया और उन पर तेजधार हथियारों, सरिया व डंडों से हमला कर दिया।

इससे वह सभी घायल हो गए। मारपीट की आवाज सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मंदिर में चोरी करने में सफल न होने पर मूर्ति को किया खंडित, काबू

यमुनानगर। सरस्वती नगर स्थित बाबा सीता राम मंदिर में घुसकर चोरी का प्रयास किया गया। मंदिर की शुद्धता को भी भंग गया। पुलिस ने आरोपी गांव सारण निवासी अक्षय कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बाबा सीता राम मंदिर के पुजारी हरीश चंद्र ने बताया कि मंदिर में घुसकर एक युवक ने चोरी का प्रयास किया है। आरोपी ने मंदिर में रखे दानपात्र को उखाड़ने का प्रयास किया गया। जब वह कामयाब नहीं हुआ तो उसने मंदिर में रखी प्रतिमाओं को खंड़ति कर दिया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में गंदगी फैलाई। जांच करने पर पता चला कि गांव सारण निवासी अक्षय कुमार ने मंदिर में चोरी करने का प्रयास किया है। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

लाखों रुपये की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी से बरामद की 25 लाख रुपये कीमत की 507 .3 ग्राम हेरोइन
- जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन ने आरोपी को गिरफ्तार करने में हासिल की सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन ने करीब 25 लाख रुपये कीमत की 507.3 ग्राम हेरोइन के साथ एक नशातस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

उप पुलिस अधीक्षक रजत गुलिया ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के निर्देशानुसार जिले में नशातस्करों पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के तहत जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा वन के प्रभारी एसआई राज कुमार के नेतृत्व में एसआई राहुल, एएसआई सुखदेव सिंह, मुंशी अवतार सिंह, बृजपाल, अमरजीत सिंह व मनीष कुमार, सिपाही पवन कुमार और सिपाही प्रमोद कुमार को शामिल कर टीम का गठन किया गया है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यमुनानगर सहारनपुर बार्डर क्षेत्र में यमुना नदी पुल से एक मोटरसाइकिल सवार को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए हिरासत में लिया। इस दौरान आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके पास से करीब 25 लाख रुपये कीमत की 507.3 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान यूपी के जिला सहारनपुर के गांव नथमलपुर निवासी शमशेर उर्फ कल्लू के रुप में हुई। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर ले लिया।

यमुनानगर। लाखों रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया आरोपी नशातस्कर। फोटो : हरिभूमि

नेटवर्क खंगाला जाएगा

पुलिस उप अधीक्षक रजत गुलिया ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी से उसके नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी। वहीं, आरोपी से पता लगाया जाएगा कि वह हेरोइन कहां से लेकर आता है और किसे सप्लाई करता है। मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन रेलवे पुल के पैनल गिरे, रोलर चालक बचा

समालखा। पानीपत के गांव मनाना में निर्माणाधीन रेलवे पुल के पैनल चौथी बार गिर गए। हादसे में इस बार करीब 50 मीटर में पैनल गिरे साथ ही ऊपर काम कर रहे रोलर चालक रोलर सहित नीचे गिर गए। इस दौरान रोलर चालक ने कूद कर जान बचाई। इस दौरान मनाना के ग्रामीणों ने सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी कर रोष प्रदर्शन किया किया। ग्रामीण आजाद राठी, विनोद, चांद, विक्की व पालेराम आदि ने बताया कि पुल निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारी मौके पर आकर नहीं देखते। सरपंच अपनी जिम्मेदारी नहीं समझती। किसी बड़े हादसे की सरकार बांट देख रही है। चौथी बार रेलवे पुल का गिरना सरकार की नाकामी को दर्शाता हैं। यही नहीं सन 2023 में पुल निर्माण कार्य पूरा होना चाहिए था पर सन 2025 आधा बीत जाने के बाद भी पुल के हिस्से टूट टूट कर गिर रहें हैं। पुल दूसरी ओर से गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि ठेकेदार का कन्टेरेक्ट कैंसिल कर किसी अनुभवी कंपनी से पुल का निर्माण कराया जाए। पुल के निर्माण में अच्छी सामग्री का प्रयोग कर समय रहते कार्य कराया जाए। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग एसडीओ शैलेंद्र भटिया ने कहा कि पुल की टेस्टिंग जारी है। जहां भी दिक्कत महसूस होती है वहां से तोड़कर दोबारा निर्माण करवाया जा रहा है। वहीं विधायक मनमोहन भड़ाना ने बताया कि मनाना रेलवे पुल को लेकर केंद्रीय मंत्री व करनाल सांसद मनोहरलाल को दिशा की बैठक के दौरान लिखित व मौखिक शिकायत दी है तथा पुल निर्माण को जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग रखी।

पानीपत। गांव मनाना निवासी प्रदर्शन करते हुए।

जनसूई नहर से मिले दो शव, पहचान नहीं

अंबाला। जनसुई नहर से पुलिस को दो युवकों के शव बरामद हुए हैं। सुबह 11 बजे नग्गल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि टांगरी नदी के पुल के पास जनसुई नहर में शव तैर रहे हैं। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकलवाया। पुलिस ने बताया कि शव करीब 10 दिन पुराने लग रहे हैं। इसके साथ ही दोनों शवों के पास से किसी भी प्रकार का पहचान पत्र नहीं मिला है। जांच अधिकारी टेकम सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों शवों को सिटी नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है।

परीक्षार्थियों की गाड़ियां आपस में टकराई

समालखा। जीटी रोड पर सीईटी का शाम की शिफ्ट का पेपर देने जा रहे परीक्षार्थियों की एक के बाद एक लगातार आधा दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गई। जिससे नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया। हादसे की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज कुलदीप कादियान और समालखा चौकी पुलिस इंचार्ज जितेंद्र आंतिल ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त कराया।

इस दौरान ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज कादियान ने मौके पर दूसरी गाड़ी की व्यवस्था कर परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र की ओर रवाना किया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। सीईटी का पेपर देने जा रहे सोनीपत निवासी चालक सुजीत ने बताया कि आगे चल रही एक अन्य गाड़ी चालक ने अचानक से ब्रेक लगा दिए जिस वजह से करीब छह गाडिय़ां एक के बाद एक आपस में टकरा गई। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं गौरव गन्नौर निवासी ने बताया कि पेपर देने के लिए कुरुक्षेत्र जा रहे थे। समालखा फलाई ओवर पर ब्लूजे के सामने पहुंचे तो अचानक से अगली गाड़ी वाले ने ब्रेक लगा दिए। जिससे हमारी गाड़ी अगली गाड़ी से टकरा गई और पीछे से एक दूसरी गाड़ी ने हमारी गाड़ी में दे मारी।

पानीपत। समालखा में हादसे की जांच करते हुए पुलिस।

कब्रों से बिखरे मिले अवशेष, मुस्लिम समुदाय ने जताया विरोध

खुदाई करने पर आधा दर्जन से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त

- कब्रिस्तान में दीवार बनाने के लिए जेसीबी से की गई खुदाई
- पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को किया शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव दौलतपुर स्थित कब्रिस्तान में दीवार बनाने को लेकर जेसीबी द्वारा की गई खुदाई से आधा दर्जन से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त हो गई।

शुक्रवार को नमाज के बाद जब मुस्लिम समुदाय के लोग कब्रिस्तान में पहुंचे तो उन्हें कब्रों से शव के अवशेष बिखरे मिले, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सदर यमुनानगर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने लोगों को समझ कर शांत किया। गांव दौलतपुर में शुक्रवार शाम को गांव के लोग कब्रिस्तान के पास नमाज अदा कर रहे थे। नमाज के बाद जैसे ही कुछ लोग कब्रिस्तान के अंदर गए तो उन्होंने देखा कि कई कब्रें खुदी हुई हैं और मिट्टी बिखरी पड़ी है। कुछ जगहों पर शवों के अवशेष जमीन के ऊपर भी पड़े हैं। यह दृश्य देखकर ग्रामीण स्तब्ध रह गए और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। गांववासी इरशाद अली ने कहा कि शरारती तत्वों ने जेसीबी के जरिए कब्रें खुदवाईं और जानबूझकर शवों से छेड़छाड़ की गई है। इस घटना को उन्होंने धार्मिक भावनाएं भड़काने की साजिश बताया है। सूचना मिलने पर थाना यमुनानगर सदर से प्रभारी इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों को शांत करने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए।

यमुनानगर। गांव दौलतपुर में कब्रिस्तान से कब्रों की खुदाई के बाद ग्रामीणों को समझते पुलिस अधिकारी।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

सदर यमुनानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और जेसीबी मशीन के मालिक का भी पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों से बात की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने शादी का झांसा देकर महिला का यौन शोषण किया

- आरोपी ने शादी करने से किया मना, पुलिस ने आरोपी व एक अन्य के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी करने से मना कर दिया।

आरोप है कि आरोपी ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली और उसकी छोटी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक व एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी 30 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पहले पति से अनबन के चलते तलाक हो गया था। इसके बाद वह गगन नामक युवक के संपर्क में आई। आरोपी ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उसे शादी करने के लिए कहने लगा। वह भी आरोपी की बातों में आ गई। इसके बाद आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने उसका शारीरिक शोषण किया। जब उसने आरोपी को शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। बाद में उसे पता चला कि आरोपी ने किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली है। इस दौरान आरोपी ने उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

करनाल के 53 केंद्रों पर परीक्षा में दिखा अनुशासन और शांति, प्रशासनिक प्रबंधों की सबने की सराहना

सीईटी परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्वक संपन्न, 27581 ने दी परीक्षा, 1993 से अधिक अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा का पहला दिन शनिवार को करनाल जिले में शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि पूरे जिले में कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था, गड़बड़ी या तकनीकी समस्या की शिकायत नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने परीक्षा को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए हर स्तर पर निगरानी और सुविधा का प्रबंध किया था। करनाल में कुल 53 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह और शाम के दो सत्रों में परीक्षा आयोजित हुई। सुबह के सत्र में 14,787 में से 13,761 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 1,026 अनुपस्थित पाए गए। वहीं, शाम के सत्र में 13,820 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 967 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों सत्रों को मिलाकर कुल 1,993 अभ्यर्थियों ने परीक्षा नहीं दी। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए करनाल से यमुनानगर और पंचकूला जाने वाली बसों की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। इसके अतिरिक्त स्थानीय प्रशासन और वालंटियर समूहों ने मिलकर कई अभ्यर्थियों को निजी वाहनों से परीक्षा केंद्रों तक पहुँचाया। प्रशासन की सजगता और समाजिक सहयोग की मिसाल यह रही कि जींद से आए परीक्षार्थियों को भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अभ्यर्थियों ने भी शांतिपूर्ण और अनुशासित व्यवहार दिखाते हुए परीक्षा व्यवस्था की सराहना की।प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की सतर्कता के कारण परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा और यातायात प्रबंधन भी पूरी तरह नियंत्रण में रहा।डीसी ने कहा कि रविवार को होने वाली परीक्षा के लिए भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और उम्मीद है कि परीक्षा का दूसरा दिन भी इसी तरह शांतिपूर्ण- व्यवस्थित रहेगा।

उपायुक्त और एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

सीईटी की परीक्षा को नकलरहित और सुचारू रूप से संपन्न करवाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए। सुरक्षा, कानून व्यवस्था तथा शहर में ट्रैफिक सुचारू रूप से जारी रहे इसको लेकर भी योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया है। उपायुक्त उत्तम सिंह व पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया द्वारा संयुक्त रूप से परीक्षा केंद्रों का दौरा किया गया और व्यवस्थाओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि कोई भी बच्चा परीक्षा देने से वंचित न रहे।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त उत्तम सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिले में अब तक परीक्षा को लेकर किसी प्रकार की कोई दिक्कत सामने नहीं आई है और न ही किसी बच्चे ने सूचित किया है। फीडबैक में मिला है कि सरकार की ओर से व्यवस्था को देखते हुए अबकी 90 से 95 प्रतिशत परीक्षार्थी की उपस्थिति नजर आ रही है। जिला में 37 लोकेशन पर 53 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। दो दिवसीय सीईटी की परीक्षा में जींद जिला से चारों शिफ्टों में करीब 70 हजार बच्चों की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था में सामाजिक संस्थाएं भी प्रशासन का सहयोग करने के लिए आगे आई हैं।

बायोमैट्रिक गड़बड़ी, एक अभ्यर्थी फरार, दो बहनों की जांच की

करनाल। शनिवार को करनाल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा के दौरान कई तकनीकी और सत्यापन संबंधी गड़बड़ियों के मामले सामने आए। कुछ स्थानों पर बायोमैट्रिक मिसमैच हुआ, वहीं एक मामला जुड़वां बहनों के पेपर देने का भी आया।

बायोमैट्रिक न मिलने से मची हलचल

जींद जिले की महिला अभ्यर्थी पूजा का करनाल के टैगोर स्कूल में बायोमैट्रिक मिलान नहीं हो सका। संदेह के चलते पुलिस ने उससे पूछताछ की और जानकारी मिली कि उसकी बहन भी उसी केंद्र पर परीक्षा देने आई थी। पुलिस ने दोनों बहनों की पहचान व दस्तावेजों की पुनः जांच के बाद दोनों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी। जींद का ही एक अन्य अभ्यर्थी अजय, जो गुरुकुल हरिकिशन स्कूल में परीक्षा देने आया था, जब बायोमैट्रिक मिलान में फेल हुआ, तो वह मौके से फरार हो गया। इस पर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा सतर्कता बढ़ा दी गई और अधिकारियों को सूचित किया गया।

12 साल पुराना मेडिकल सर्टिफिकेट बना बाधा

करनाल के मोहित अरोड़ा नामक अभ्यर्थी ने दयाल सिंह कॉलेज परीक्षा केंद्र पर अपना 12 साल पुराना मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाया, जिससे संदेह उत्पन्न हुआ। शुरू में उसे प्रवेश नहीं मिला, लेकिन सत्यापन के बाद उसे परीक्षा केंद्र में जाने की अनुमति दी गई। हालांकि उसका पेपर निर्धारित समय से आधा घंटा देर से शुरू हुआ।

एसपी ने दी सफाई सभी प्रक्रिया अनुसार हुआ

एसपी गंगा राम पूनिया ने कहा कि तकनीकी गड़बड़ी व जुड़वां होने के कारण दो अभ्यर्थियों की अलग से जांच की गई थी। उन्होंने बताया कि एक युवती की जुड़वां बहन भी परीक्षा में शामिल थी और उनके चेहरे व उंगलियों के बायोमैट्रिक मैच न होने के कारण संदेह हुआ। परंतु जांच पूरी होने के बाद परीक्षा देने की अनुमति दी गई।

सीईटी बना उत्सवः जब सरकार बनी सहारा और डायल-112 बना साथी

साक्षी

अंकित

■ चार दिन की फ्री बस सेवा प्रदेश सरकार ने खुद उठाया सेंटर तक पहुंचाने का जिम्मा

करनाल। हरियाणा में इस बार कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) परीक्षा केवल एक प्रतियोगिता नहीं रही, बल्कि जनकल्याण की नई परिभाषा बन गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार ने ऐसा प्रबंध किया कि परीक्षा में भाग लेना, खासकर ग्रामीण व गरीब परिवारों के युवाओं के लिए, संघर्ष नहीं, उत्सव जैसा अनुभव बन गया। जहां पहले परीक्षार्थियों को सेंटर तक पहुंचाने की चिंता अभिभावकों पर होती थी, वहीं इस बार सरकार ने चार दिन तक फ्री बस सेवा देकर यह जिम्मेदारी खुद उठाई। ग्रामीण परिवेश से आने वाले अभिभावक अब राहत की सांस लेते नजर आए। खासतौर पर महिला परीक्षार्थियों के परिजन सरकार की इस पहल से विशेष रूप से संतुष्ट दिखाई दिए, क्योंकि उनके लिए सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित की गई।

पहली बार महसूस हुआ कि सरकार हमारे साथः रचना

रचना।

जींद की रचना ने बताया, "घर से सेंटर तक सबकुछ सरकार ने किया। हमें बस में बैठाया गया, फिर करनाल पहुंचते ही दूसरी लोकल बस सेंटर के बाहर तक ले गई। यह पहली बार था कि हम बिना किसी तनाव के समय से पहले सेंटर पर थे। रचना के पिता विक्रमजीत ने भी सरकार को बार-बार धन्यवाद देते हुए कहा कि पहले बहुत टेंशन रहती थी, पर इस बार तो सब सरकार ने कर दिया।"

बिना पर्ची, बिना खर्ची से युवाओं में भरोसा बढ़ा

सरकार की 'बिना पर्ची, बिना खर्ची' नीति से युवाओं में परीक्षा प्रणाली पर विश्वास गहराया है। अब वे यह महसूस कर रहे हैं कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है सिफारिश और घूस नहीं।

निष्कर्षः व्यवस्था नहीं, यह है बदलाव की बुनियाद

हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में सीईटी परीक्षा न केवल सुचारु रूप से आयोजित हुई, बल्कि विश्वास, समानता और अवसर के प्रतीक के रूप में उभरी। यह पहल भविष्य में अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन सकती है जहाँ परीक्षा केवल चयन का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच भरोसे की डोर बनती है।

जब डायल-112 बनी परीक्षार्थियों की संकटमोचक

घायल भाई को पहुंचाया अस्पताल, बहन को परीक्षा केंद्र

सोनिया

नरवाना से करनाल सीईटी परीक्षा देने आ रहे भाई-बहन की बाइक हेमदा गांव के पास फिसल गई। डायल-112 की **ERV**-429 टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भाई को तुरंत अस्पताल पहुंचाया और बहन को बिना देरी के **SPS** स्कूल, करनाल में परीक्षा दिलाने भेजा। समय पर पहुंचने के कारण परीक्षार्थी परीक्षा दे पाई।

तीनों लड़कियों की ट्रेन लेट हुई, 112 पर संपर्क किया तो कुरुक्षेत्र सेंटर तक पहुंचाया

प्रीति, कोमल और आंचल _ तीनों लड़कियां तरावड़ी स्टेशन पर फंसी थीं, ट्रेन लेट थी और परीक्षा केंद्र समय से दूर। उन्होंने तुरंत डायल-112 पर संपर्क किया। टीम ने लोकेशन ली, संपर्क साधा और अपनी गाड़ी में बैठाकर तीनों को कुरुक्षेत्र के अलग-अलग सेंटर तक पहुंचाया। परीक्षा छूटने से बची, और तीनों ने टीम का आभार जताया।

ग्रामीण विकास के बिना समृद्ध भारत की कल्पना अधूरीः विधायक जगमोहन

■ काछवा में 1.40 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि "ग्रामीण क्षेत्र की समग्र प्रगति ही समृद्ध हरियाणा का आधार है।" वे शनिवार को गांव काछवा में लगभग 1.40 करोड़ की लागत से बनने वाली विकास परियोजनाओं के शुभारंभ अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विधायक आदर्श नगर आवास ग्राम योजना के तहत गुगा माड़ी से स्टेडियम तक बनने वाले रास्ते (लागत 1.20 करोड़) के निर्माण का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त डी-प्लान के तहत 20 लाख की लागत से गली निर्माण कार्य का उद्घाटन भी किया गया।

गांवों में आधुनिक ग्राम सचिवालय, पुस्तकालय, ओपन एयर जिम, और स्मार्ट स्कूल जैसी योजनाएं प्रभावशाली साबित हो रही हैं। इस अवसर पर सरपंच सुशीला देवी, सरपंच प्रतिनिधि दीपक कुमार, पूर्व सरपंच बिट्टू, भाजपा नेता बंसीलाल कलामपुरा, जोगिंद्र सिंह, राजबीर खोखर, देवेंद्र गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा पत्रकार संघ की जिला स्तरीय बैठक हुई

करनाल। हरियाणा पत्रकार संघ की करनाल जिला इकाई की पहली बैठक शुक्रवार को सैक्टर-8 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संघ के प्रदेशाध्यक्ष के.बी. पंडित ने की। बैठक में वरिष्ठ पत्रकारों ने राज्य सरकार से वृद्ध पत्रकारों की मासिक पेंशन 15 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रूपये करने की पुरजोर मांग की। साथ ही पत्रकारों के लिए घोषित 5 लाख रूपये की चिकित्सा बीमा (कैशलेस) योजना को तुरंत लागू करने की मांग की गई। इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजकुमार प्रिंस ने जिला कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए कहा कि वे पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और हर स्तर पर सहायता देने को तैयार हैं। बैठक में पारित प्रस्ताव में बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा चुनाव के दौरान वृद्ध पत्रकारों की पेंशन बढ़ाने का वायदा किया था, परंतु अब तक उस पर अमल नहीं हुआ है।

तीज त्योहार हमारी संस्कृति की विरासत

तरावड़ी। एस.एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल तरावड़ी में तीज का त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सरदार गुरशरण सिंह ग्रेवाल और प्रधानाचार्या डॉ विभा कौशिक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से तीज के महत्व को उजागर किया।

उत्सव में छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय में नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राएं रंगीन परिधानों में बहुत सुंदर लग रहे थे वहीं उनके द्वारा नृत्य प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया । विद्यालय के प्रबंधक महोदय ने सभी को तीज महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार छात्रों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने, अपनी रचनात्मकता दिखाने और एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। स्कूल में कई तरह के स्टाल लगाए गए, जिसमें बेंगल, चुनरियां और सावन की मिठाई के स्टाल शामिल रहे। छात्र- छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें ली और झूले का आनंद भी लिया।

विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें कक्षा आठवीं से बारहवीं तक

तीज त्योहार आपस में खुशी सांझा करने का पर्व हैः बालकिशन

तरावड़ी। गीता मॉडर्न पब्लिक स्कूल में तीज का त्यौहार बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक बालकिशन त्रिपाठी ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर बच्चों ने हरियाली तीज के अवसर पर ग्रीटिंग कार्ड बनाए और हरियाली गीत गाकर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक बालकिशन त्रिपाठी ने तीज के त्यौहार का महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांस्कृतिक विरासत को जोडने के लिए एक दूसरे के साथ खुशी सांझा करने का अवसर है।

मेहंदी प्रतियोगिता में आरजू प्रथम

करनाल। महिला महाविद्यालय बस्ताड़ा में तीज पर्व के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर सांस्कृतिक माहौल को जीवंत कर दिया। प्रतियोगिता में बी.कॉम प्रथम वर्ष की छात्रा आरजू ने सर्वश्रेष्ठ मेहंदी लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कमलेश रानी ने की, जबकि महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका ममता रानी ने प्रतियोगिता का संचालन किया। बी.ए द्वितीय वर्ष की छात्रा महक द्वितीय और बी.कॉम की रूबी तृतीय स्थान पर रहीं।प्राचार्या ने कहा कि तीज हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है। कार्यक्रम में दीपा दुल, पूजा, डॉ. श्रुति, डॉ. मीतू चावला, अनुराधा, रेणु कुमारी, डॉ. विक्रम सिंह, पवन कुमार और अपूर्वा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के लिए संयोजक नियुक्त

करनाल। भाजपा द्वारा देश के विभाजन की पीड़ा को स्मरण करने के लिए आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के जिला स्तरीय संयोजकों की नियुक्ति कर दी गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन प्रत्येक विधानसभा स्तर पर 10, 11 एवं 12 अगस्त को गरिमामय ढंग से किया जाएगा। जिला संयोजक भारत भूषण कपूर व सह संयोजक बृज टक्कर होंगे। करनाल विधानसभा के लिए श्याम बतरा, नीलोखेड़ी से सतनाम सिंह, घरौंडा से मदन ईशपुनानी, असंध से हरिकृष्ण अरोड़ा तथा इंद्री से राजेंद्र मिड्ढा को संयोजक नियुक्त किया गया है। सभी संयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि आयोजन को ऐतिहासिक स्मृति और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ा जाए।

■ प्रत्येक विधानसभा में मनाया जाएगा 10-12 अगस्त तक कार्यक्रम

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की '10 घंटे बैठकें' बन रहीं उदाहरण

जनसेवा का जुनून

धर्मेंद्र खुराना ▶▶| करनाल

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष और घरौंडा से विधायक हरविन्द्र कल्याण जनता से सीधे जुड़े रहने की मिसाल बन गए हैं। जहां कई नेता पद मिलने के बाद आमजन से दूरी बना लेते हैं, वहीं हरविन्द्र कल्याण जनता के बीच से ही अपने दायित्वों को निभा रहे हैं।

10 घंटे की मैराथन बैठकें, लगातार फील्ड विज़िट और योजनाओं की गहराई से समीक्षा... यही है उनकी कार्यशैली। शुक्रवार को उन्होंने करनाल में सुबह से लेकर रात तक लगभग 10 घंटे लगातार विभिन्न सरकारी बैठकों में हिस्सा लिया, योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

धरातल पर दिख रहा बदलाव गांवों की बदल रही तस्वीर

हरविन्द्र कल्याण की सक्रियता का असर घरौंडा हल्के की तस्वीर पर साफ दिखने लगा है। पहले जहां विकास कार्यों की गति धीमी थी, अब वही कार्य तेज़ रफ्तार पकड़ चुके हैं। उन्होंने लघु सचिवालय में नेशनल हाईवे, सिंचाई, राजस्व, पीडब्ल्यूडी जैसे अहम विभागों के साथ लंबी बैठक की।

दरिया बुर्दगी भूमि पर मालिकाना हक दिलाने की कोशिश

कल्याण ने यमुना बेल्ट के किसानों के लिए राहत भरी पहल की। उन्होंने "दरिया बुर्दगी बरामदी मलकीयत" के विषय को प्रमुखता से उठाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उनकी वास्तविक जमीन का मालिकाना हक मिलना चाहिए ताकि उन्हें मुआवज़ा, ऋण और फसल बीमा जैसी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

करनाल। बैठक में अपनी बात रखते विस अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण। फोटो : हरिभूमि

दिशा बैठक में रखे कई ठोस सुझाव

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई दिशा की बैठक में हरविन्द्र कल्याण ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत मृत्यु के बाद आवेदन निरस्त होने के विषय पर भी ध्यान दिलाया।

उन्होंने मांग की कि मृतक आवेदक के परिवार को भी योजना का लाभ मिले, जिससे ज़रूरतमंद को मदद मिल सके।

स्वच्छता में प्रतिस्पर्धा गांवों के लिए नया विज़न

विधानसभा अध्यक्ष ने गाँवों के बीच स्वच्छता को लेकर एक प्रतिस्पर्धात्मक मॉडल का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि शहरों की तर्ज पर गाँवों में भी स्वच्छता रैंकिंग की शुरुआत होनी चाहिए ताकि ग्रामीण स्तर पर सफाई को लेकर जनचेतना बढ़े।

विधानसभा कमेटियों के साथ समन्वय

चंडीगढ़ से आए विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों के साथ उनकी बैठक में चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। हरविन्द्र कल्याण ने स्पष्ट किया कि योजनाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता और जनहित में प्रभावशीलता प्राथमिकता होनी चाहिए।

निष्कर्षः राजनीति नहीं सेवा है प्राथमिकता

हरविन्द्र कल्याण की कार्यशैली स्पष्ट करती है कि उनके लिए राजनीति करियर नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। उनका यही समर्पण उन्हें जनता के सबसे करीब और जमीनी नेता की छवि प्रदान करता है।

भाजपा कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकतः केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

करनाल। केंद्रीय मंत्री एवं करनाल सांसद मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा हैं। उन्होंने भाजपा जिला पदाधिकारियों से लघु सचिवालय सभागार में परिचयात्मक बैठक की और संगठन को मजबूती देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा मैं खुद एक गैर-राजनीतिक परिवार से आया हूं, लेकिन संगठन ने मुझे यहां तक पहुंचाया।ह उन्होंने पदाधिकारियों को आम जनता तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता प्रवीण लाठर ने की। इस अवसर पर विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद, राम कुमार कश्यप, भगवानदास कबीरपंथी, योगेंद्र राणा, मेयर रेणुबाला गुप्ता, भारत भूषण जुयाल, डॉ. अशोक कुमार समेत जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में केंद्रीय मंत्री को सभी पांचों विधायकों और जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

■ करनाल में जिला पदाधिकारियों से परिचय बैठक में दिए संगठनात्मक संदेश

खबर संक्षेप

पुलिस टीम ने शराब तस्कर पकड़ा

पानीपत। थाना किला पुलिस टीम ने शराब तस्करी के आरोप में विजय पुत्र सतीश निवासी गणेश कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 38 पव्वे अवैध देसी शराब बरामद किए है। वहीं आरोपी विजय पर थाना किला में एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने स्नेचिंग करने वाला पकड़ा

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने बिजावा रोड पर ई रिक्शा चालक जोगिंद्र से मोबाइल छिनने की वारदात में फरार चल रहे दूसरे आरोपी जिला पानीपत के गांव कैथ निवासी नीरज को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन प्रभारी संदीप ने बताया कि पूछताछ में आरोपी नीरज ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके गांव निवासी अपने साथी आरोपी विजय के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। वहीं इस मामले में थाना इसराना में जोगिंद्र पुत्र हुक्मचंद निवासी गांव इसराना की शिकायत पर केस दर्ज है।

कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

कुरुक्षेत्र। 1999 में भारत-पाक के मध्य हुए कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने अद्भुत शौर्य, पराक्रम और वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन देश की सेनाओं को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था।

परीक्षार्थियों ने प्रदेश सरकार व पानीपत प्रशासन की प्रशंसा की

पानीपत में कड़ी सुरक्षा में शांतिपूर्वक हुई सीईटी परीक्षा

■ आवागमन, जलपान आदि सुविधाओं को लेकर खुश हुए परीक्षार्थी, परीक्षार्थियों से मिले केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

सीईटी के परीक्षार्थियों व इनके अभिभावकों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल,सीईटी के परीक्षार्थीगण बस चालक से परीक्षा केंद्र के बारे में जानकारी लेते हुए।

पानीपत के परीक्षार्थी बस में सवार होकर सोनीपत जाते हुए। फोटो :हरिभूमि

पानीपत जिला में शनिवार को सीईटी का पेपर देने पहुंचे अन्य जिलों के परीक्षार्थियों ने प्रदेश सरकार की जमकर सराहना की और दी गई सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद भी किया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा युवाओं की सुविधा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक और मजबूत पहल है। शनिवार को सुबह के सत्र में कुल 7 हजार 292 परीक्षार्थी में से 5709 परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा देने के लिए पहुंचे। सुबह के सत्र में 1583 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह दोपहर के सत्र में कुल 7 हजार 86 परीक्षार्थियों में से 5 हजार 427 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे और 1659 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा हर एक परीक्षार्थी का पूरा ध्यान रखा गया है। कोई भी परीक्षार्थी सुविधा से वंचित ना रहे। शनिवार को जीन्द जिले से आने वाले परीक्षार्थी मडलौडा से होते हुए पानीपत के हुडा सेक्टर 13-17 में पहुंचें। जहां से उन्हें बसों के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों तक ले जाया गया। इसके लिए बसों के आठ कलस्टर बनाए गए थे। जिनके तहत करीब हजार परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचें। जो परीक्षार्थी दूसरे राज्यों से आएं। उनके लिए भी रोड़वेज द्वारा बस अड्डों, रेलवे स्टेशन पर बसों, श्री व्हीलर व अन्य वाहनों की व्यवस्था की गई थी।

पानीपत के परीक्षार्थी सोनीपत भिजवाए

पानीपत से सोनीपत के लिए परीक्षा देने के लिए जाने वाले परीक्षार्थियों के लिए भी बसों की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए नया व पुराना बस अड्डा, समालखा, मडलौडा, इसराना, बापौली, कुराना, बबैल, चुलकाना, सनौली, उरलाना खुर्द में व्यवस्था की गई थी। सीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए हरियाणा रोडवेज द्वारा निःशुल्क बस सेवा का प्रबंध किया जाना भी सरकार की बहुत बड़ी पहल है। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हैल्पलाईन नम्बर जारी किए गए थे जो 24 घण्टे सेवा में रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मिले

केंद्रीय शहरी विकास व उर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को पानीपत में सीईटी परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और परीक्षा की तैयारियों व सुविधाओं को लेकर बातचीत की। परीक्षार्थियों व इनके अभिभावकों ने सीईटी परीक्षा के लिए की गई तैयारी व सुविधाओं के लिए पानीपत प्रशासन व प्रदेश सरकार की सरहाना की।

परीक्षा के दौरान सक्रिय रहा प्रशासन

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने एडीसी डॉ पंकज यादव के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसपी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार 26 जुलाई की सीईटी परीक्षा जिला के सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न हुई। जिला में परीक्षा को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करवाने के लिए पुलिस के 774 जवान व अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंप तैनात किया गया था। सुबह 7 बजे से ही सभी जवान पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी स्थान पर पहुंचकर व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे थे।

पानीपत। अपने बच्चे के साथ परीक्षा देने पहुंची महिला परीक्षार्थी।

रात्रि विश्राम को आवासीय व्यवस्था की

रात्रि विश्राम हेतु जिला प्रशासन द्वारा आवासीय व्यवस्था भी की गई थी। सुरक्षा को भी लेकर पुलिस विभाग पूरी तरह से सजग रहा और सुरक्षा के पूरी तरह इंतजाम किए गए थे। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह बार-बार फीडबैक भी ले रहे थे।

पानीपत। सीईटी के परीक्षा केंद्र के पदाधिकारियों से वार्ता करते हुए एडीसी डॉ पकंज व पुलिस कप्तान भूपेंद्र सिंह। फोटो :हरिभूमि

649 दिव्यांग परीक्षार्थियों का रखा खास ख्याल

डीसी डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने पानीपत में भिवानी जिले से परीक्षा देने आए मात्र एक परीक्षार्थी का भी पूरा ख्याल रखा और उसके आवागमन से लेकर जलपान इत्यादि की पूरी व्यवस्था देखी। जिला प्रशासन की दिव्यांग परीक्षाओं पर विशेष नजर रही और जिले के सभी 649 दिव्यांगों की सहायता के लिए पटवारी व ग्राम सचिवों लगाया गया था। जिला प्रशासन के साथ साथ परीक्षाओं के सहयोग के लिए सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधियों ने हाथ बढाया और खुले तौर पर सहायता की।

पानीपत के विद्यार्थी पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। विजेता विद्यार्थी अनिल कौशिक, विनोद बंसल, राजेश वशिष्ठ व डीओसी हरिओम के साथ। फोटो :हरिभूमि

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य प्रशिक्षण केंद्र अंबाला में राज्य स्तरीय चतुर्थ चरण प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसमें जिले से विभिन्न स्कूलों की कब सेंक्शन की टीम डीओसी हरिओम के मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाग लिए हुए है। डीओसी हरिओम ने बताया कि कैम्प में विजय दिवस कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी है गई और पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई।

जिसमें जिला के भारत पब्लिक स्कूल और नेहरू मोर्डन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। हरियाणा राज्य प्रशिक्षण आयुक्त अनिल कौशिक और विनोद बंसल ने कहा कि वर्तमान परिवेश में लार्ड वेडेन पावेल के विचारों की सार्थकता और बढ़ गई है। विजय और मोनू ने बताया कि हमारे जिले के कब बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

वृंदावन के श्री किशोरी कृपा धाम के महंत बने योगीराज महाराज

■ दयानंद सरस्वती महाराज ने योगीराज महाराज को शाल ओढ़ाकर और तिलक लगाकर उनके महंत बनाए जाने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

स्वामी दयानंद सरस्वती, योगीराज महाराज को श्री किशोरी कृपा धाम वृंदावन के महंत बनाए जाने की घोषणा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

वृंदावन के श्री किशोरी कृपा धाम के संस्थापक संत श्री 1008 दयानंद सरस्वती महाराज द्वारा श्री योगीराज को श्री किशोरी कृपा धाम वृंदावन का महंत बनाया गया है। स्वामी दयानंद सरस्वती महाराज ने अनेक संतों और महामंडलेश्वरों और श्रद्धालुओं के बीच योगीराज महाराज को शाल ओढ़ाकर और तिलक लगाकर उनके महंत बनाए जाने की घोषणा की तथा उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर श्री नाथ ब्रह्म ऋषि महाराज भी मौजूद रहे। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह जानकारी आश्रम के मीडिया प्रभारी लेखराज जताना द्वारा दी गई।

आचार्य श्रवण कृष्ण महाराज प्रवचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भगवान की भक्ति करने से ही सुख प्राप्त होता है : आचार्य

पानीपत। पानीपत के गांव बापौली स्थित श्री सर्वेश्वर धाम मन्दिर में चल रही शिव पुराण की कथा में आचार्य श्रवण कृष्ण ने प्रवचन करते हुए कहा की मानव जीवन का इस कलिकाल में उद्धार सम्भव है। सत्य बोलना, सत्य बोलने से आत्मा शुद्ध होती है। कर्म करना, निष्काम कर्म करने से जीव के उद्धार होता है। ध्यान करना, ध्यान करने से मन शांत रहता है। दान करना, दान करने से पुण्य मिलता है यश की प्राप्ति होती है। तप करना, तप करने से आत्म बल बड़ता है। गुरु की शरण में जाना, गुरु शरण में ज्ञान मिलता है। भगवान की भक्ति करना, भगवान की भक्ति करने से लोक परलोक का सुख प्राप्त होता है। आत्म समिक्षा करना, आत्म ज्ञान बढ़ता है जिससे समाज का देश का कल्याण होता है। संत संगति में रहना, संत संगति करने से मनुष्य जीवन सफल होता है। मोक्ष साधना करना, मोक्ष साधना करने से आत्मा परमात्मा से मिलकर ब्रह्म में लीन हो जाती है। भक्त की भगवान में अटूट भक्ति और समर्पण से पता चलता है की सच्चे भक्त को शिव की कृपा अवस्य प्राप्त होती है। शिव की सच्ची भक्ति ही संसार के समस्त दोष अवगुण, पाप विकार का नाश करने में समर्थ हैं।

वार्ड सात में ट्यूबवेल लगेगा

समालखा। विधायक मनमोहन भड़ाना के प्रतिनिधि विजय शेखर व शारिक ने जीटी रोड स्थित कोठी कार्यालय में आए हुए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनकर समस्याओं से संबंधित अधिकारी को फोन कर समाधान कराया। लोगों ने विधायक मनमोहन भड़ाना की तारीफ करते हुए कहा की विधायक के कार्यालय में हर किसी को पहले जलपान कराया जाता है फिर उनकी समस्या का समाधान किया जाता है। वार्ड सात के दर्जनों लोगों ने विजय शेखर को पीने के पानी से संबंधित समस्या बताई। उन्होंने एसडीओ पब्लिक हेल्थ मोहित शर्मा से बात करके नया ट्यूबल लगवाने के लिए कहा।

■ विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनीं

बेरोजगारी व गरीबी से पीड़ित है जनता: सांगवान

■ जनवादी महिला समिति का न्याय जत्था पानीपत पहुंचा

■ महिलाओं ने सभी जगह फूल मालाओं के साथ जत्थे का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, सामाजिक न्याय जत्था को संबोधित करते हुए।

जनवादी महिला समिति का सामाजिक न्याय जत्था रोहतक से चल कर पानीपत जिला के गांव बसाडा, रसलापुर व ऊझा गांव के सामुदायिक केंद्र में पहुंचा। महिलाओं ने सभी जगह फूल मालाओं के साथ जत्थे का स्वागत किया। जत्थे में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय भीम अवार्डी खिलाड़ी एवं जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, राज्य अध्यक्ष सविता, पूर्व जिला अध्यक्ष संतरो, जिला अध्यक्ष पायल, जिला सचिव दीपिका, कोषाध्यक्ष मनीषा, नीलम, शीतल, प्रवेश त्यागी, सूरज, कविता, ज्योति, दीप, खुशी, राजेन्द्र छोक्कर आदि शामिल रहे। राज्य अध्यक्ष पायल ने बताया कि न्याय जत्थे की शुरुआत भिवानी से की गई है। शनिवार को पानीपत पहुंचा है। मुख्य वक्ता जगमति सांगवान ने कहा कि देश की आजादी के बाद आज देश की जनता के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। बेरोजगारी, गरीबी व अन्याय ने युवाओं को नशा खोरी व अपराध के क्षेत्र में धकेल दिया है। कार्यक्रमों में गीत तथा बच्चों के सपने नाटक की प्रस्तुति भी थियेटर आर्ट ग्रुप द्वारा दी गई। इस अवसर पर सीआईटीयू राज्य सचिव सुनील दत्त, किसान सभा के नेता राजपाल, प्रीतम रावल, डा. सुरेंद्र मलिक, ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव वेदपाल, सतीश हथवाला, मोमिन, सुनील, खेत मजदूर यूनियन के नेता राजेंद्र छोक्कर, ओमपाल, रोहतास व कौशल्या आदि मौजूद थे।

गर्मी से बचाव का एक मात्र माध्यम पौधरोपण है: मलिक

परिजनों के नाम पर पौधे रोपे: प्रदीप

■ पौधरोपण अभियान में बड़ौली स्कूल के छात्र शगुन और दीपांशु का सहयोग रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

राजकीय स्कूल गांव बडौली में पौधे रोपते हुए अध्यापकगण। फोटो :हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बड़ौली के ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक ने अपने जन्मदिन पर विद्यालय परिसर में नर्सरी से दो पौधे लेकर पौधरोपण किया। ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक ने बताया कि बढ़ती गर्मी से बचाव का एक मात्र माध्यम पौधरोपण है। मलिक ने बताया कि हर इंसान को प्रति वर्ष अपने जन्मदिन पर कम से कम दो पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए तभी हम पर्यावरण को बचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने ही नहीं अपितु अपने पुत्र उत्सव के हर जन्मदिन पर पौधा लगाते हैं ताकि पर्यावरण को हरा भरा बनाया जा सके। सही मायने में जन्मदिन मनाने का महत्व भी तभी सार्थक बनता है जब हम इस विशेष दिन पर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। उन्होंने बताया कि हर वर्ष अपने जन्मदिन पर पौधे लगाकर सुकून मिलता है। हिंदी प्राध्यापक रविंद्र सिंह और कला अध्यापक सुरेंद्र राठी ने बताया कि जिस प्रकार से ग्लोबल वार्मिंग हो रही है वो दिन दूर नहीं जब इंसान और जीव जंतुओं का जीना दूभर हो जाएगा। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने चाहिए। डीपीई उमेद सिंह ने बताया कि पृथ्वी पर जीवन बचाने और भविष्य को संवारने के लिए हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए ताकि हम सब मिलकर पर्यावरण को बचा सके। इस अवसर पर पौधरोपण अभियान में बड़ौली स्कूल के छात्र शगुन और दीपांशु का सहयोग रहा। अपने परिजनों के नाम पर पौधे लगाने चाहिए।

भावना व श्रद्धा से पुण्य का उपार्जन होता है : रोहित मुनि

पानीपत। पानीपत के निकटवर्ती गांव राजाखेड़ी में 36 वर्षों बाद गुरु सुदर्शन संघ का चातुर्मास के अंतर्गत जैन गुरुओं प्रवचन प्रभावक रोहित मुनि महाराज राजाखेड़ी के लाल तपस्वी श्रेयांस मुनि जी, सेवाभावी रजत मुनि महाराज ठाणे 3 ने आज आयोजित प्रवचन में सैकडों की संख्या में गुरुभक्तों ने भाग लिया। रोहित मुनि ने प्रवचन में कहा कि जीवन सुंदर-सुंदर हो, लहराता गुण सागर हो,जैसा दिखता बाहर हो, वैसा ही अंदर हो। उन्होंने कहा कि नमस्कार का जीवन में बहुत महत्व है। जब भी संतों के पास आएं तो भावों में सरलता होनी चाहिए। भावना व श्रद्धा से पुण्य का उपार्जन होता है। भावना व श्रद्धा से जो नमस्कार करता है इससे कर्मों की भी निर्झरता होती है। श्रावकों से आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी अपने साथ अपने बच्चों को भी साथ लेकर आए ताकि उनमें अच्छे संस्कार पड़ जाएं। जीवन में अकड़ रूपी हवा निकाल लेने से जीवन बहुत अच्छा चलेगा। श्रेयांस मुनि महाराज ने फरमाया कि पहला काम सामायिक का है। भगवान का सुमिरन करते समय दुनिया के विषय में न सोचें। एस एस जैन सभा राजाखेड़ी के महामंत्री सुनील जैन ने बताया कि राजाखेड़ी में घर घर नवकार महामंत्र के अखंड जाप चल रहे हैं। रविवार को युवा दिवस के अंतर्गत नशा मुक्त युवा कैसा होता है विषय पर प्रवचन होगा।

न्यायालय जनाब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी, बापौली जिला पानीपत

विषयः- अनुवान मुकदमा रमेश देवी आदि बनाम धर्मपाल आदि केस बाबत तकसीम, मौजा अतौलापुर तहसील बापौली जिला पानीपत बाबत अखबार में प्रकाशन करवाने बारे।

श्रीमान जी

उपरोक्त विषय पर आपको अवगत कराया जाता है कि न्यायालय एवं तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी में एक केसा बाबत तकसीम बाअनुमान रमेश देवी बनाम धर्मपाल आदि मौजा अतौलापुर विचारीधीन है जिसमें भुमि खेवट न० 69//62 खाता न० 96,97 कुल तकसीम रकबा 137 कनाल 3 मरले स्थित मौजा अतौलापुर तह० बापौली जिला पानीपत की तकसीम की जानी है तथा जिसमें आगामी तिथि 01.08.2025 बराए पब्लिकैशन लगी है।

अतः आप न्युज पेपर में उक्त तिथि 01.08.2025 तक उपरोक्त केस में उतरवादिगण न०1 धर्मपाल पुत्र मंगलु पुत्र श्रीया 2 ऋषिपाल 3 सतबीर पुत्र पौना पुत्र भोलु 4 श्रीमति बाला 5 श्रीमति सावित्री मृतक वारसान 1 नितिन पुत्र 2 राहुल पुत्र 3 रूबी पुत्री 4 प्रिति पुत्रियान सावित्री पुत्रि पाना पुत्र भोलु 6 अशोक 7 प्रवीन पुत्र छोगा मंगलु 8 कंवरपाल 9 कबुल 10 राजकुमार पुत्रान मुख्यतारा पुत्र मंगलु 11 श्रीमति पुष्पा पत्नी राजकुमार पुत्र रामचन्द्र 12 श्रीमति मुकेश देवी पत्नी श्री राकेश पुत्र रामचन्द्र 13 हुक्म पुत्र कुन्दन पुत्र मुंशी 14 प्रिंस 15 हरीश पुत्रान श्री कृष्ण पुत्र मुख्तयारा निवासीगण ग्राम अतौलापुर तह० बापौली जिला पानीपत को इस न्यायालय में असालतन या वकालतन पेश होने बारे सुचित करें तथा अन्य किसी भी व्यक्ति या दीगर वारसान को किसी भी तरह का कोई एतराज या दावा है तो वह दिनांक 01.08.2025 को न्यायालय जनाब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी बापौली में असालतन व वकालतन पेश होकर उक्त केस बारे एतराज दर्ज कर सकता है। बाद मियाद गुजरने दावे आपतियों पर गौर नहीं किया जाएगा यह भी प्रकाशित करें कि उक्त तिथि पर न्यायालय में पेश न होने पर इनके विरूद्ध एकतरफा कार्रवाई की जाएगी तथा इनका फैसला इनकी गैर हाजिरी में कर दिया जाएगा।

हस्ता/-तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी, बापौली जिला पानीपत 30/06/2025

न्यायालय जनाब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी, बापौली जिला पानीपत

विषयः- अनुवान मुकदमा श्रीमति मुन्नी देवी आदि बनाम रामनाथ आदि फेस बाबत तकसीम, मौजा अधमी तहसील बापौली जिला पानीपत बाबत अखबार में प्रकाशन करवाने बारे।

श्रीमान जी

उपरोक्त विषय पर आपको अवगत कराया जाता है कि न्यायालय एवं तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी में एक केसा बाबत तकसीम मुन्नी देवी आदि बनाम रामनाथ आदि मौजा अधमी विचारीधीन है जिसमें भुमि खेवट न० 466,223 खाता न० 506 व 507,242 कुल तकसीम रकबा 38 कनाल 15 मरले स्थित मौजा अधमी तह० बापौली जिला पानीपत की तकसीम की जानी है तथा जिसमें आगामी तिथि 01.08.2025 बराए पब्लिकैशन लगी है

अतः आप न्युज पेपर में उक्त तिथि 01.08.2025 तक उपरोक्त केस में उतरवादिगण न.1 रामनाथ पुत्र 2 कपुरीलाल पुत्रान आसाराम पुत्र शंकरदत 3 कुलदीप पुत्र 4 प्रमोद पुत्रान श्री रामनाथ पुत्र आशाराम 5 वतन पुत्र 6 ईनाम पुत्रान अफला पुत्र जंगा 7 ईसराना विधवा 8 एहसान पुत्र अनवर पुत्र अफला निवासीगण ग्राम अधमी तह० बापौली जिला पानीपत को इस न्यायालय में असालतन या वकालतन पेश होने बारे सुचित करें तथा अन्य किसी भी व्यक्ति या दीगर वारसान को किसी भी तरह का कोई एतराज या दावा है तो वह दिनांक 01.08.2025 को न्यायालय जनाब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी बापौली में असालतन व वकालतन पेश होकर उक्त केस बारे एतराज दर्ज कर सकता है। बाद मियाद गुजरने दावे आपतियों पर गौर नहीं किया जाएगा यह भी प्रकाशित करें कि उक्त तिथि पर न्यायालय में पेश न होने पर इनके विरूद्ध एकतरफा कार्रवाई की जाएगी तथा इनका फैसला इनकी गैर हाजिरी में कर दिया जाएगा।

हस्ता/-तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी, बापौली जिला पानीपत 30/06/2025

खबर संक्षेप

हर बूथ पर आयोजित होगा कार्यक्रम : मंत्री

अंबाला। परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम अंबाला छावनी विधानसभा के बूथों पर प्रसारण होगा और विधानसभा के बूथ नंबर अनुसार सरल ऐप पर इन कार्यक्रमों को अपलोड करना है। विज शनिवार को मन की बात कार्यक्रम को लेकर अंबाला छावनी विस क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों को अपने आवास पर संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 27 जुलाई को प्रसारित होगा।

मादक पदार्थ हेरोइन सहित आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना मुलाना के लवली ढाबा के पास से अवैध नशा बेचने के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी सागर को 81 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। उसे दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। नाकाबंदी कर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक गाड़ी भी जब्त की है।

चोरी के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज सरिया चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 34 के सतबीर सिंह ने 25 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी प्रदीप सिंह ने उसके घर से 20/22 किलो सरिया चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को काबू किया था।

शराब की 180 बोतल बरामद, मामला दर्ज

अंबाला। पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना नारायणगढ़ क्षेत्र के गांव मिल्क से अवैध शराब की तस्करी के मामले में आरोपी रति राम को काबू किया है। उसके घर से पुलिस ने 15 पेटी कुल 180 बोतल शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

अमरनाथ यात्रियों के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

अंबाला। अमरनाथ जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने एक विशेष ट्रेन के संचालन का फैसला लिया है। ट्रेन का संचालन जबलपुर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा के बीच किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों के आग्रह पर विशेष ट्रेन के संचालन की समय सारिणी व संचालन की तारीख जारी कर दी है। अंबाला रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक नवीन कुमार झा ने बताया कि ट्रेन नंबर 01707 जबलपुर से चार से 11 अगस्त तक सुबह 5:25 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 6 बजे कटरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01708 कटरा से पांच से 12 अगस्त तक रात 9:15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन सुबह 9.35 बजे जबलपुर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन का ठहराव कटनी मुरवारा, दमोह, सौगोर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, मुरैना, आगरा कैंट, मथुरा, अलवर, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, जाखल, धूरी, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट और जम्मूतवी स्टेशनों पर ठहरेगी।

चुनाव के समय गुरु की गोलक का हुआ दुरुपयोग

साहा। गुरुद्वारा साहिब में इलाके की संगत की ओर से बैठक आयोजित की गई। मास्टर गुलाब सिंह के मार्गदर्शन में बैठक संपन्न हुई। जसविंदर सिंह तेपला ने बताया कि बैठक में संगत ने प्रधान झींडा द्वारा सभी चेयरमैनी और सब कमेटियों को रद्द करने के फैसले का स्वागत किया है। बेअंत सिंह गोली ने बताया हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (एचएसजीएमसी) के चुनाव के समय आचार संहिता के बावजूद गुरु की गोलक का दुरुपयोग हुआ। प्रधान ने इसकी जांच करने के लिए कमेटी बनाकर बहुत अच्छा निर्णय लिया है। मनविंदर सिंह ने बताया की संगत प्रधान के साथ है। उनके फैसले का स्वागत करती है। सिख मामलों पर सक्रिय रहने वाले युवा रणजीत खटड़ा नहौनी ने ने बताया विश्व में एचएसजीएमसी पहली ऐसी कमेटी है जिसको सुप्रीम कोर्ट ने भी मान्यता दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

प्रशासन की ओर से परीक्षा को लेकर किए गए थे पुख्ता बंदोबस्त, डीसी और एसपी खुद उतरे फील्ड में

सीईटी परीक्षा के पहले दो चरणों में 5940 ने दी परीक्षा, सुरक्षा में डटे रहे पुलिस के 535 जवान

■ डीसी और एसपी ने कई सेंटरों का मुआयना कर सुरक्षा बंदोबस्त जांचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। सीईटी परीक्षा के बंदोबस्त का जायजा लेते उपायुक्त- एसपी व बसों में सवार होकर सेंटर पहुंचते परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

दोनों चरण में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की लिखित परीक्षा संपन्न हो गई। इसके लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। पुलिस के भी 535 जवानों ने इस परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने में अहम भूमिका निभाई। ज्यादातर परीक्षार्थी सीईटी के लिए किए गए बंदोबस्त से बेहद खुश नजर आए। उधर उपायुक्त अजय सिंह तोमर व पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने शनिवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए वास्तविकताएं जांची। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सैंटरों के बाहर बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था जांची। साथ ही सेंटर सुपरवाइजर से परीक्षा देने आए युवाओं की जानकारी ली। इसके अलावा सैंटरों में लगे जैमर व सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए गए।

उन्होंने परीक्षा देने पहुंचे अभ्यार्थियों से भी परीक्षा को लेकर बातचीत की। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने सीईटी-2025 की लिखित परीक्षा को लेकर सबसे पहले अंबाला शहर स्थित राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कल्पना चावला (महिला), राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, राजकीय कॉलेज अंबाला छावनी, फारूखा खालसा वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल अंबाला छावनी व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बकरा मार्केट स्कूल में बने परीक्षा केंद्र का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सेंटर सुपरवाइजर से परीक्षा जानकारी हासिल की। उपायुक्त ने बताया कि सीईटी-2025 की लिखित परीक्षा शनिवार व रविवार को दो-दो चरणों में आयोजित की जा रही है। शनिवार को पहला चरण खत्म हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि दिव्यांग अभ्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर व्हील चेयर की व्यवस्था के साथ-साथ वॉलिंटियर्स भी तैनात किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि अंबाला शहर व अंबाला छावनी में 19 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जा रही सीईटी की लिखित परीक्षा को लेक पुलिस द्वारा सभी प्रबंध किए हुए हैं। सभी संबंधित ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को परीक्षा को नकल रहित व पारदर्शिता तरीके से करवाने बारे निर्देश भी दिए हुए थे।

इसके साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था के तहत भी प्रबंध किए गये हैं ताकि आमजन के साथ-साथ अभ्यार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रथम चरण के तहत 4616 अभ्यार्थियों में से 2991 पहुंचे

उपायुक्त ने बताया कि शनिवार को अंबाला शहर व अंबाला छावनी में दो चरणों में परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन करवाया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के तहत 4616 अभ्यार्थियों में से 2991 परीक्षा देने पहुंचे थे। इसी प्रकार दूसरे चरण में 4514 अभ्यार्थियों में से 2949 ने परीक्षा दी। पहुंचे थे।उपायुक्त ने यह भी बताया कि अभ्यार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न आए। इसके लिए शटल बस सर्विस की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। परीक्षार्थियों के लिए बसों की व्यापक व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि 27 जुलाई को भी दो चरणों में सीईटी की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसके लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों को प्रशासन व प्रदेश सरकार द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। सोनीपत की रहने वाली अभ्यार्थी भावना ने बताया कि वह परीक्षा के लिए सोनीपत से अंबाला आई थी। बस में उसकी तथा उसके पिता की कोई टिकट नहीं लगी। सरकार द्वारा अभ्यर्थियों के लिए व महिला अभ्यार्थी के साथ एक परिजन के लिए जो निशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है उसके लिए उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त किया है। राजस्थान के अलवर जिले से परीक्षा देने पहुंचे अभ्यार्थी ने भी प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया है। कहा कि उसकी भी बस में किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लगा।

सरकार परीक्षा को सफल करने में जुटी: विज

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम अनिल विज ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा में परिवहन व्यवस्था को लेकर कहा कि हम चाहते हैं कि हर परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक पहुंचे। यहीं हमारी सरकार का संकल्प था जिसे परिवहन विभाग ने पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाया है।उन्होंने कहा कि कहा कि शनिवार का दिन बड़ा मुश्किल दिन था। लगभग 11 लाख परीक्षार्थीयों को परीक्षा देने जाना था। लगभग 13 लाख लोग बसो में यात्रा करते हैं। तीज त्यौहार व शनिवार-रविवार की वजह से भी बसों में ज्यादा भीड़ थी। मगर परिवहन विभाग के पूरे स्टाफ बेहतर काम किया हे। विज ने कहा कि हमने परीक्षार्थियों के लिए चलाई बसों में आम यात्रियों को भी यात्रा की सुविधा प्रदान की और कहीं भी कोई परेशानी नहीं आई है। सभी जिलों से ठीक रिपोर्ट आई है। हमारा स्टाफ पूरी भावना से काम कर रहा है।

लंबे समय से नाला शुरू, भर जाता था पानी, मेयर ने एचएसजीपीसी सदस्य के आग्रह पर करवाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

■ गुरतेज सिंह ने मेयर शैलजा संदीप सचदेवा से मिलकर इस समस्या का हल निकालने का आग्रह किया था

अंबाला शहर के जीटी रोड पर स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब के सामने लंबे समय से एक नाला बंद पड़ा था। इसकी वजह से इलाके में पानी भर जाता था और बदबू फैलती थी। सिख संगत इस नाले को खुलवाने की मांग कई बार कर चुकी थी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य गुरतेज सिंह ने मेयर शैलजा संदीप सचदेवा से मिलकर इस समस्या का हल निकालने का आग्रह किया था।

मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने इसके बाद खुद गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब में जाकर माथा टेका, जिसके बाद आसपास के लोगों से समस्याओं को समझा जिसके बाद उन्होंने कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने मीरी-पीरी चौक का भी दौरा कर वहां की सफाई और सौंदर्यीकरण की योजना तैयार करने के आदेश अधिकारियों को दिए। मीडिया से बातचीत करते हुए मनोनीत सदस्य और मेयर शैलजा सचदेवा के पति संदीप सचदेवा ने कहा कि यह कोई आम सरकारी कार्य नहीं है, बल्कि यह गुरुघर की सेवा है। इस पवित्र स्थल की सेवा करने का अवसर मुझे मिला, इसके लिए वे गुरुसाहिब का धन्यवाद करते हैं। किस्मत वाले लोग ही गुरुद्वारों की सेवा का मौका पाते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि न केवल यह नाला ठीक से साफ हो, बल्कि भविष्य में संगत को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

युवाओं में बढ़ रही आक्रामकता: डॉ. अनुपमा

■ ओस्का व इद्रीश फाउंडेशन कीओर से बढ़ती आक्रमकता व अपराध विषय पर आयोजित की कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

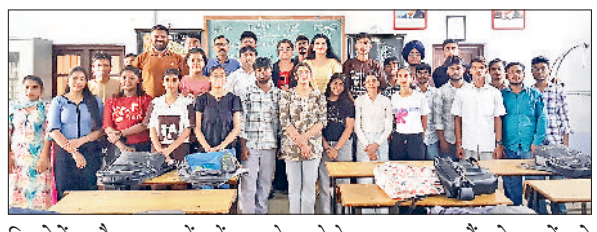

ओस्का और इद्रीश फाउंडेशन द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों में बढ़ती आक्रामकता और अपराध विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जीएमएन कॉलेज की मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ. अनुपमा सिहाग ने संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में किशोरों और युवाओं में बढ़ते आक्रोश, हिंसक प्रवृत्तियों, और आपराधिक झुकावों के मनोवैज्ञानिक कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. सिहाग ने बताया कि पारिवारिक विघटन, सामाजिक दबाव, नशे की लत, सोशल मीडिया की आक्रामक सामग्री और भावनात्मक अभिव्यक्ति की कमी ऐसे प्रमुख कारण हैं जो छात्रों को आक्रामकता की ओर धकेलते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-नियंत्रण, सकारात्मक संवाद, समूह गतिविधियों में भागीदारी और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। ओस्का के कोऑर्डिनेटर तुषार ने बताया कि कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य युवाओं और किशोरों में तेजी से बढ़ रही आक्रामक प्रवृत्तियों, असहिष्णुता और आपराधिक झुकावों को समझना और उनसे निपटने के उपायों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देना। यह विषय विशेष रूप से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक है। जहां सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और सामाजिक मूल्य क्षरण जैसे कई कारक युवाओं के मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं। इद्रीश फाउंडेशन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर करिशमा ने बताया कि कार्यशाला में भाग ले रहे इंटर्नशिप विद्यार्थियों ने विषय में गहरी रुचि दिखाई और अपनी जिज्ञासाओं को खुलकर रखा।

क्लस्टर प्रतियोगिता में मेजबान डीएवी स्कूल के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

■ चार जिलों के कई डीएवी स्कूलों की टीमों ने प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में डीएवी क्लस्टर-6 खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में नारायणगढ़, पंचकूला, यमुनानगर, अंबाला , बराड़ा, जगाधरी, सूरजपुर, साढ़ौरा, रादौर समेत कई के डीएवी स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया।

लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में दम दिखाया। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट अभिषेक गर्ग गेस्ट ऑफ़ ऑनर के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभिषेक गर्ग स्वयं डीएवी पानीपत के छात्र रहे हैं। उन्होंने मंच से अपने उद्बोधन में डीएवी संस्था के प्रति अपना विशेष लगाव प्रकट करते हुए इसे एक संस्कार देने वाली संस्था बताया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। जीवन में खेलों के महत्व को रेखांकित किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरआर सूरी ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का एक अहम स्तंभ हैं। खेल उत्सव में बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन व हैंडबॉल जैसे खेलों का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हैंडबॉल -बालक वर्ग: अंडर 19 में प्रथम स्थान पर मेजबान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल की टीम रही जबकि दूसरा स्थान अंबाला शहर के ही पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल को मिला। **अंडर 17:** प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल व द्वितीय स्थान डीएवी पब्लिक स्कूल, रादौर को मिला। अंडर 14 में प्रथम स्थान अंबाला शहर के ही डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल व दूसरा स्थान पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल को मिला।

हैंडबॉल बालिका वर्ग अंडर 19: प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल को मिला। अंडर 17 में प्रथम स्थान मेजर आरएन. कपूर डीएवी स्कूल अंबाला कैंट को मिला जबकि द्वितीय स्थान डीएवी सीसे पब्लिक स्कूल को मिला। अंडर 14 में प्रथम स्थान डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल को मिला।

डीईईओ सुधीर कालड़ा ने बीईओ कार्यालय में प्रदान किए प्रशंसा पत्र

निपुण हरियाणा मिशन: 24 जेबीटी शिक्षक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

निपुण हरियाणा मिशन के तहत कक्षा एक से तीन के बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए 24 प्राथमिक शिक्षकों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

यह सम्मान समारोह खंड शिक्षा अधिकारी मंजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी स्कूल मुखियाओं, एबीआरसी, बीआरपी तथा प्राथमिक शिक्षकों को संबोधित करते हुए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने कहा कि वर्ष 2025 की असर सर्वे की रिपोर्ट में मौलिक शिक्षा के मामले में सोनीपत और रेवाड़ी के बाद अंबाला प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहा है। यह उपलब्धि जिले में कार्यरत सभी शिक्षकों और मेंटर्स की अथक मेहनत का परिणाम है जिन्होंने अपने खंड शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में बेजोड़ कार्य किया।अब यदि जिला के सभी प्राथमिक शिक्षक थोड़ी और अधिक मेहनत करें और प्रण कर लें तो अगली असर सर्वे रिपोर्ट में मौलिक शिक्षा के मामले में जिला प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 478 प्राथमिक स्कूलों की मेगा मोनिटरिंग के दौरान जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा एक सर्वे कराया गया था। उसमें अध्यापकों की कार्यशैली को परखने के लिए 6 गतिविधियों का एक टूल बनाया गया था जिसमें प्रत्येक गतिविधि के लिए अधिकतम 10 अंकों का प्रावधान किया गया था । यानि सभी 6 गतिविधियों के लिए अधिकतम 60 अंकों का प्रावधान किया गया था। इन गतिविधियों में अध्यापक द्वारा शिक्षक संदर्शिका, बच्चों की वर्क-बुक व स्किल पास-बुक, अल्प मूल्य वाले टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री), कक्षा कक्ष का प्रिंट रिच वातावरण और बच्चों का समग्र अधिगम विकास जैसी गतिविधियां शामिल की गई थी। यह सर्वे एबीआरसी, बीआरपी, मौलिक मुख्याध्यापक, पीजीटी, उच्च स्कूल मुख्याध्यापक, प्राचार्य, संकुल मुखिया और खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से करवाया गया था। इस मेगा मोनिटरिंग सर्वे में जिन अध्यापकों ने अधिकतम 60 अंकों में से कुल 48 या अधिक अंक प्राप्त किए हैं उन सभी 125 अध्यापकों को उत्कृष्ट अध्यापक मानते हुए सम्मानित करने की योजना बनाई गई है।

इन्हें किया सम्मानित

सम्मानित होने वाले शिक्षकों में मंदीप सिंह, रणबीर सिंह, संजीव कुमार, आदर्श ढुआ, गीता रानी, प्रवीण, नीलम, शशिपाल, किरण कुमारी, पूनम वालिया, अमरीक सिंह, धनी राम, प्रवेश कुमार, नितिन चानना, मीनू राणा, अमिता सैनी, वंदना शर्मा, शिवानी, सुमन सैनी, राजेंदर कुमार, दीप्ति गर्ग, मेतो देवी, रिम्पल रानी, मीना रानी शामिल है। समारोह के इस अवसर पर जिला एफएलएन समन्वयक मनोज कुमार, खंड के सभी क्लस्टर मुखिया तथा लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम मैनेजर रविंदर कुमार एवं शैक्षणिक समन्वयक बलराम यादव भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

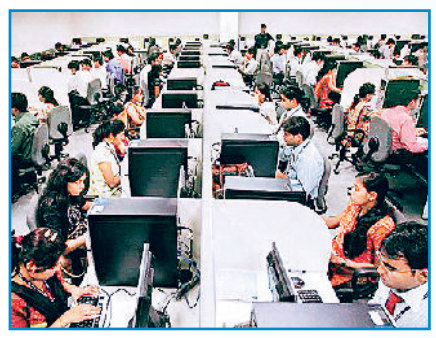

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

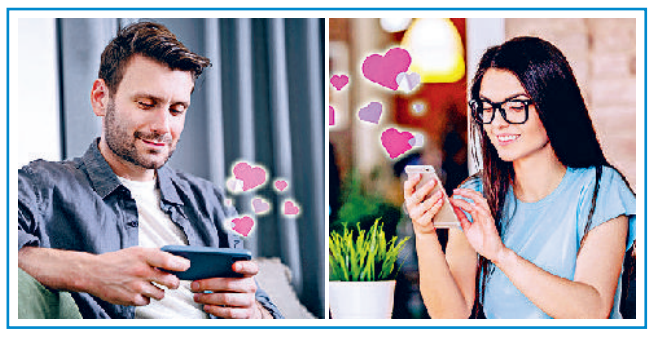

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्यः अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव): थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फाया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

आदिवासी बच्चों का मेंढक नृत्यः ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

नांग मेव समारोहः थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

केबो-केबोआनः इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चारः जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

वोडू वर्षा नृत्यः हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

वरुण यज्ञ अनुष्ठानः वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

अभिषेकम अनुष्ठानः दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

मेंढकों का विवाहः देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

पोर्टफोलियो करियर क्या हैः पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

पोर्टफोलियो करियर के फायदेः पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफः पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

एक्सट्रा इनकमः पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

नो बाउंडेशनः पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसेः अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

प्रॉपर प्लानिंग बनाएंः अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

अपनी स्किल्स को समझेंः इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

लोगों के साथ नेटवर्क बनाएंः अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचानः गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

गंगा नदी का प्रवाह तंत्रः गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

बसे हैं कई तीर्थस्थलः गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

एक जीवंत भौगोलिक संसाधनः भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्वः हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

गंगा का आर्थिक महत्वः भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

चुनौतियां हैं कईः गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि सयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्रीः फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शनः देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

नायिकाओं के हसीन पैरः हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

पैरों से उभारी गई संवेदनाः कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

राजकुमार के पैर और सफेद जूते

याद कीजिए फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'